SALTOC Project
Title: Ataeva: Uttara Pradeśa Hindī Saṃsthāna kā traimāsika
Imprint: Lakhanaū : Uttara Pradeśa Hindī Saṃsthāna
OCLC: 19061276
Volume 1, July-September 1987
TOC Supplied by: Princeton University Library

अतएव

उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान का त्रैमासिक

#1 1987

July-Dec

अंक : १ जुलाई-सितंबर : १९८७

Sept

प्रधान संपादक
व्रजेश्वर वर्मा

उप संपादक
अखिलेश

परामर्श मंडल
भक्त दर्शन
विद्यानिवास मिश्र
भगवती शरण सिंह
ठाकुर प्रसाद सिंह
नामवर सिंह

आवरण चित्र
डा० जगदीश गुप्त

संपादकीय कार्यालय
उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान (उप शाखा)
विज्ञान परिषद भवन
महर्षि दयानंद मार्ग
इलाहाबाद, उ० प्र०

प्रबंध कार्यालय
उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान
हिंदी भवन
महात्मा गांधी मार्ग
लखनऊ, उ० प्र०

प्रबंध संपादक
निदेशक, उ० प्र० हिंदी संस्थान

मूल्य : दस रुपए

वार्षिक : पैंतीस रुपए

अतएव

श्रद्धांजलि : अज्ञेय जी नहीं रहे **व्रजेश्वर वर्मा** ६

लेख : नैरंतर्य और चुनौती **विद्यानिवास मिश्र** ६/ कवि, रचना और आलोचक (सहृदय) **बच्चन सिंह** ४०/ इतिहास का साम्राज्यवादी विरूपण **रामविलास शर्मा** १३७/ मार्क्सवाद और साहित्य **अजय तिवारी** १८०

समकालीन : मेरी रचना प्रकृति के समकक्ष एक दूसरी सृष्टि है **केदारनाथ अग्रवाल से अशोक त्रिपाठी की बातचीत** १४/ कविताएं **केदारनाथ अग्रवाल १६**

हमारी संस्कृति के वाहक : **कर्णसिंह चौहान** २५

भाषा : ऐतिहासिक-सांस्कृतिक चेतना और भाषा **रघुवंश** २६/ भाषा-समाज-साहित्य **रामस्वरूप चतुर्वेदी** ३४/ सरल हिंदी **कैलाश चंद्र भाटिया** ३७/ टिप्पणी : प्रगतिशील कथा साहित्य के मूल्यांकन का परिप्रेक्ष्य **चंचल चौहान** ४७/ भारतीय काव्यधारा में राष्ट्रीयता **नर्मदेवर चतुर्वेदी**

कहानियां : दलील **अमरकांत** ५०/ निबंध सौरभ **मार्कंडेय** ५४/ उमस **ममता कालिया** ५८/ विद्रोह **अमृतराय** ११२/ इतिहास **शैलेश मटियानी** ११८/ पुरुष **अरविंद कुमार सिंह** १२७

संस्कृति : कार्त्तिकेय : लोक-वेद समन्वय के प्रथम देवता **गयाचरण त्रिपाठी** ६२

लोक संस्कृति : कुमाऊंनी लोक परंपरा में नारी **ललित जोशी** ६८/ कूर्मांचल के संस्कार गीत **शेखर जोशी** ७३/ मिथक बिंब और प्रतीक : लोक साहित्य का संदर्भ **विद्याबिंदु सिंह ८०**।

कविताएं : **शिवमंगल सिंह सुमन** ८५/ **शील** ८५/ **लक्ष्मीकांत वर्मा** ८६/ **रमेश चंद शाह** ८८/ **केशव कालेधर** ६०/ **हरिनारायण व्यास** १४६/ **भगवत रावत** १५०/ **उदय प्रकाश** १५२/ **नरेंद्र गौड़** १५३/ **पद्मनाभ प्रभास** १५४/ **बद्री नारायण** १५६/ **परमानंद श्रीवास्तव** १८६/ **विनय दुबे** १६०/ **अब्दुल बिसमिल्लाह** १६१/ **देवी प्रसाद मिश्र** १६२

परंपरा : रहीम : संतुलन के रचनाकार **सत्य प्रकाश मिश्र** ६२

पुरातत्व : भारतीय सौंदर्य बोध की नैतिक पृष्ठभूमि **कृष्णदत्त वाजपेयी** ६६/ कौशांबी की एक अद्भुत उपलब्धि **सतीशचंद्र काला** १००

रचनाभूमि : आगमनी एक चरित्र की **नरेश मेहता** १०५

यात्रा संस्मरण : घर बंटने का दर्द **रामदरश मिश्र** १५८

नाटक : नरमेध **भैरव प्रसाद गुप्त** १६४

समसामयिक : सांप्रदायिकता नए संदर्भ में **विश्वनाथ त्रिपाठी** १६५

भाषांतर : आवर्तक नर्तन **युमलेम्बन इबोमचा सिंह** २००/ मुलाक़ात **मिर्जा हामिद बेग** २०१

पोलिश कविताएं **रीज़ेविज** २०४

पुनर्प्रस्तुति : रानी केतकी की कहानी **इंशा अल्ला खां** २०७

साहित्यिक सांस्कृतिक समाचार : समारोह, पुरस्कार, मृत्यु और प्रकाशन २१८

राष्ट्रकवि की स्मृति में —

मूल्यांकन : मैथिलीशरण गुप्त : ब्रजभाषा से खड़ी बोली में संक्रमण **श्री नारायण चतुर्वेदी** २२२/ आधुनिक युग के सर्वाधिक लोकप्रिय कवि मैथिलीशरण गुप्त **रामलाल सिंह** २२८/राष्ट्रीय नवजागरण और मैथिलीशरण गुप्त **कुंवरपाल सिंह** २३२/भारतीय किसान की नियति का साक्षात्कार **रेवती रमण** २३८/बिहारी का सुवा और गुप्त जी का साकेत **विवेकी राय** २४४

संस्मरण : समस्या आज भी हमारी वही है **महादेवी वर्मा** २४७/कर्म विपाक कंस की मारी **अंबा प्रसाद 'सुमन'** २५१/राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त : एक संस्मरण **लक्ष्मीशंकर व्यास** २५५/भारतीय अस्मिता और सांस्कृतिक आभ्यंतरीकरण की जाग्रत प्रक्रिया का नाम दद्दा है **श्रीराम वर्मा** २५६/ मैथिलीशरण गुप्त और राय कृष्णदास **सतीशचंद्र काला** २६४

टिप्पणी : सुभाषित जैसी शक्ति **विश्वनाथ मिश्र** २६६/गुप्त जी की मानसमूर्ति उर्मिला **रवींद्र भ्रमर** २६६/महाकवि वल्लत्तोल और मैथिलीशरण गुप्त **एन० रामन् नायर** २७३

संगोष्ठी : गुप्त जी ने एक पूरी पीढ़ी को प्रभावित किया □□

मुद्रक : एकेडमी प्रेस, दारागंज, इलाहाबाद।